संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप ने दी खुली धमकी- चुनाव नहीं जीता तो खून-खराबा हो जाएगा, चीन पर भी बरसे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव से पहले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में खून खराबे की धमकी दे डाली है। ओहायो में एक जनसभा के दौरान ट्रंप ने कहा कि अगर वह इस बार नहीं चुने जाते हैं तो देश में खून खराबा शुरू हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि इस बार चुनाव की तारीख अमेरिका के इतिहास में सबसे अहम होने जा रही है। वह डायटन में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप को प्रिजम्प्टिव नॉमिनी बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की ऑटो इंडस्ट्री के बारे में बात कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने खून खराबे वाला भी बयान दे डाला। उन्होंने कहा, आप 5 नवंबर की तारीख नोट कर लीजिए। यह बहुत ही अहम तारीख होने जा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इतिहास में अब तक के सबसे बुरे राष्ट्रपति जो बाइडेन हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि चीनी चाहते हैं कि वे मैक्सिको में कार बनाएं और फिर अमेरिका में बेचें। अगर मैं राष्ट्रपति चुना जाता हूं तो ऐसा नहीं होने दूंगा। और अगर मैं नहीं जीतता हूं तो पूरे देश में खून-खराबा शुरू हो जाएगा। बता दें कि 77 साल के डोनाल्ड ट्रंप पूरे जोर-शोर से चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बाइडेन के कार्यकाल को वह डरावना शो बता रहे हैं। वह बाइडेन प्रशासन की इमिग्रेशन पॉलिसी पर जोरदार हमला कर रहे हैं। शनिवार को डोनाल्ड ट्रंप ऐसे इलाके में पहुंचे थे जहां डेमोक्रेट के ज्यादा वोटर हैं। बाइडेन ओर ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी का दौर चल रहा है। बाइडेन ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप देश का अपमान करवाते हैं और देश की खराब तस्वीर पेश करते हैं। बाइडेन ने कहा कि इस बार के चुनाव अमेरिका के लोकतंत्र का भाग्य तय करने वाले हैं। उन्होंने 6 जनवरी की घटना का जिक्र कर कहा कि ट्रंप देश के लिए घातक हो सकते हैं। वहीं बता दें कि अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने ऐलान कर दिया है कि वह इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का साथ नहीं देंगे।

रमजान में सऊदी ने इंडोनेशिया में सजाई सबसे लंबी इफ्तार टेबल, बना गया नया रिकॉर्ड

जकार्ता, एजेंसी। रमजान के पवित्र महीने में एक नई पहल के तहत सऊदी अरब ने इंडोनेशिया में एसी इफ्तार पार्टी का आयोजन किया कि नया रिकार्ड ही बन गया। इस आयोजन को इस साल आसियान देशों में होने वाले सबसे बड़े इफ्तार के रूप में रिकॉर्ड किया गया है। आसियान दक्षिणपूर्व एशियाई देशों का एक आर्थिक फोरम हैं, जिसमें इंडोनेशिया, ब्रूनेई, मलेशिया समेत 10 देश शामिल हैं। सऊदी अरब के इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने इस इफ्तार का आयोजन किया था जिसे सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज के नाम पर एक विदेशी पहल का हिस्सा बताया गया है। सऊदी राजदूत फैसल अब्दुल्ला ने हाल ही में इफ्तार भोजन की पेशकश करने और पवित्र कुरान की प्रतियां और खजूर वितरित करने के लिए पवित्र मस्जिदों के संरक्षक कार्यक्रम की शुरुआत की है। रमज़ान के उपवास महीने के अवसर पर अल्बानिया और बोस्निया और पाकिस्तान सहित अन्य देशों में मुसलमानों के लिए इसी तरह की पहल की गई है। सबसे लंबा इफ्तार आयोजन करने के लिए इंडोनिशियाई विश्व रिकॉर्ड संग्रहालय (एमयूआरआई) ने सऊदी इस्लामिक अफेयर्स को प्रमाण पत्र दिया है। सऊदी इस्लामिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि इफ्तार में 15,000 से अधिक मुस्लिमों ने हिस्सा लिया जिनके बैठने की व्यवस्था में 2.5 किलोमीटर लंबी कतार बन गई। सऊदी अरब की तरफ से इंडोनेशिया में मौजूद सऊदी दूतावास के धार्मिक मामलों के प्रतिनिधि अहमद अल हाजमी ने एमयूआरआई से प्रमाण पत्र को स्वीकार किया। इंडोनेशिया के दक्षिणी राज्य सुलावेसी के मकासर में आयोजित इफ्तार पार्टी में गवर्नर डैनी फोमेंटो, राज्य की राजनीतिक और इस्लामी हस्तियों के साथ ही इस्लामिक संघों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

बस और तेल टैंकर के बीच भीषण टक्कर, 21 लोगों की मौत, हेरात-कंधार राजमार्ग पर हुआ हादसा

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेलमंद में एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। हेरात-कंधार राजमार्ग पर रविवार सुबह बस और तेल टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हुई, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 से अधिक लोग घायल हैं। हादसे घायल लोगों में से 11 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हेलमंद प्रांत के सूचना और संस्कृति निदेशालय ने कहा कि यह घटना रविवार सुबह हेलमंद प्रांत के ग्रिश्क जिले के यखचल में हुई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना एक बस के मोटरसाइकिल से टकराने और फिर तेल से भरे टैंकर से टक्कर के कारण हुई, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में बस में सवार 16 यात्रियों, मोटर साइकिल पर सवार 2 लोग और टैंकर में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारी ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि घायलों को तुरंत ग्रिश्क जिले और हेलमंद स्थित अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी जीत के बाद व्लादिमीर पुतिन ने दी वॉर्निंग- नाटो विवाद पर बोले- दुनिया तीसरे विश्व युद्ध से एक कदम दूर

मास्को, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन का पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं। पुतिन ने रविवार को रूस में हुए चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है। अमेरिका ने रूस के इन चुनावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक दायरे में चुनाव नहीं कराए गए हैं। वहीं बड़ी जीत के बाद राष्ट्रपति पुतिन ने विस्फोटक बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तीसरे विश्वयुद्ध से केवल एक कदम दूर है। इसके लिए उन्होंने नाटो को जिम्मेदार ठहराया और यह भी कहा कि इस तरह की स्थिति से हर कोई बचना चाहता है।

1962 की क्यूबा मिसाइल क्राइसिस के बाद रूस और पश्चिमी देशों के बीच अब तनाव चरम पर है। इसकी वजह है रूस और यूक्रेन के बीच दो साल से भी ज्यादा से जारी युद्ध। राष्ट्रपति पुतिन कई बार परमाणु युद्ध की चेतावनी दे चुके हैं. हालांकि उनका यह भी कहा है कि यूक्रेन के युद्ध में उन्हें इसकी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

बीते महीने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि वह यूक्रेन का साथ देने के लिए यूक्रेन में सेना उतार देंगे। वहीं कई पश्चिमी देश अब खुद को इस विवाद से दूर भी कर रहे हैं। रूस और नाटो के बीच युद्ध की संभावना को लेकर मैक्रों ने कहा था कि इस दुनिया में कुछ भी हो ससकती है। वहीं अपनी जीत के बाद पुति ने कहा, सभी जानते हैं कि दुनिया विश्वयुद्ध से महज एक कदम दूर है। हालांकि मुझे नहीं लगता कि कोई चाहता है कि विश्वयुद्ध हो। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में बड़ी संख्या में सैनिक मर रहे हैं। रूस यूक्रेन पर

शुरू से ही भारी पड़ रहा है। इस महीने रूस में हुए चुनाव से पहले यूक्रेन पर एक बार फिर हमले तेज हो गए थे। यूक्रेन की सीमा पर रूस की तरफ से हमले तेज हो गए। पुतिन ने कहा कि वह अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए यूक्रेन में ज्यादा से ज्यादा बफर जोन बनाएंगे।

पुतिन ने पहली बार नवलनी की मौत पर दिया बयान : राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद व्लादिमिर पुतिन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवलनी की मौत पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने पहली बार अपने सबसे बड़े विरोधी एलेक्सी नवलनी की मौत पर बात की। कहा- उनकी मौत दुख की बात है। मैंने कैदियों की अदला-बदली में एलेक्सी के नाम को मंजूरी दी थी। लेकिन उसके पहले ही उनकी मौत हो गई।

पुतिन ने कई सालों में पहली बार नवलनी को नाम से पुकारा। उन्होंने कई बार एलेक्सी नाम लिया। उन्होंने कहा- एलेक्सी की अदला-बदली पश्चिमी देश के कैदियों से होने वाली थी। मैंने बस एक शर्त रखी थी। कहा था- अदला-बदली तभी होगी जब यह सुनिश्चित किया जाए कि एलेक्सी वापस रूस कभी नहीं आएगे। लेकिन ये सब होने से पहली ही एलेक्सी की मौत हो गई। हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। यही जीवन है।

नवलनी की टीम ने कैदियों की अदला-बदली की बात नकारी : नवलनी की टीम की एक मेंबर मारिया पेवचिख ने पुतिन की कैदियों की अदला-बदली वाली को नकारा है। उन्होंने कहा- पुतिन ने नवलनी की अदला-बदली को मंजूरी नहीं दी थी। उन्होंने नवलनी से छुटकारा पाने के लिए ऑर्डर दिए थे। नवलनी की प्रवक्ता किरा यारमाइश ने भी कहा कि था उन्हें पूरा यकीन है कि नवलनी की हत्या की गई है। इसके आदेश खुद राष्ट्रपति पुतिन ने दिए थे।

पुतिन को मिले 88 फीसदी वोट : रूस में राष्ट्रपति पद के लिए रविवार को संपन्न हुए एकतरफा चुनाव के शुरुआती रुझान के अनुसार, सत्ता पर करीब 25 साल से काबिज राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 88 प्रतिशत वोट मिले हैं। रूस के केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतदान समाप्त होने पर 24 प्रतिशत क्षेत्रों में मतों की गिनती के शुरुआती रुझानों से पता चला कि पुतिन के समर्थन में लगभग 88 प्रतिशत वोट पड़े। आलोचकों के मुताबिक, रूस के चुनाव में मतदाताओं को निरंकुश शासक के खिलाफ कोई वास्तविक विकल्प नहीं दिया गया। रूस में तीन दिवसीय राष्ट्रपति चुनाव शुक्रवार को बेहद नियंत्रित माहौल में शुरू हुआ, जहां पुतिन या यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर उनकी सार्वजनिक आलोचना की अनुमति नहीं थी। पुतिन के सबसे मुखर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी एलेक्सी नवलनी की पिछले महीने आर्कटिक जेल में मौत हो गई और उनके अन्य आलोचक या तो जेल में हैं या निर्वासन में हैं। पुतिन (71) को क्रेमलिन-अनुकूल पार्टियों के तीन प्रतीकात्मक प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने उनके 24 साल के शासन या दो साल पहले यूक्रेन पर उनके आक्रमण की किसी भी आलोचना से परहेज किया है। उन्होंने चुनाव से पहले युद्धक्षेत्र में रूस की सफलता का दावा किया, लेकिन रविवार तड़के पूरे रूस में बड़े पैमाने पर यूक्रेनी ड्रोन हमले ने मॉस्को के सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिला दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रात भर में 35 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया, जिनमें से चार रूस की राजधानी मॉस्को के पास मार गिराए गए। मॉस्को के महापौर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि कोई हताहत या क्षति नहीं हुई है।

पहली बार 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने : पुतिन पहली बार साल 2000 में रूस के राष्ट्रपति बने थे। वो 2008 तक इस पद पर रहे। 2012 में तत्कालीन राष्ट्रपति मेदवेदेव ने अपनी पार्टी से पुतिन को एक बार फिर प्रेसिडेंट कैंडिडेट के लिए नॉमिनेट करने को कहा। इसके बाद 2012 के चुनाव में पुतिन ने जीत हासिल की और वो सत्ता में लौट आए। तब से अब तक वो राष्ट्रपति पद पर हैं।

यूक्रेन ने एक बार फिर रूस पर किया ड्रोन हमला, रिफाइनरी में लगी आग

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच यूक्रेन ने एक बार फिर रूस पर हमला कर दिया। हमले में एक किशोर सहित दो लोगों की मौत हो गई। रूसी अधिकारियों ने बताया कि क्रास्नोडार क्षेत्र में स्थित एक रिफाइनरी पर यूक्रेन ने हमला किया है, जिससे वहां आग लग गई। हालांकि, अग्निशमन विभाग ने कुछ देर में उसे बुझा दिया। रिफाइनरी में आग लगने के कारण एक कर्मचारी को दिल का दौरा पड़ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। अधिकारियों की मानें तो यूक्रेन कुछ दिनों से लगातार रूस की रिफाइनरी और तेल डिपो को निशाना बना रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने रात भर में कुल 35 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिरा गया। इनमें से चार ड्रोन मॉस्को में गिराया गया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि राजधानी के डोमोडेडोवो हवाई अड्डे के पास पांचवां ड्रोन रविवार सुबह मार गिराया गया। हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ है। दो ड्रोन कलुगा क्षेत्र में और चार ड्रोन यारोस्लाव क्षेत्र में मार गिराए गया। मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन की सीमा से लगे क्षेत्रों जैसे- बेलगोरोड, कुर्स्क और रोस्तोव क्षेत्रों और दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में सबसे अधिक यूक्रेनी ड्रोन गिराए गए। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि रविवार सुबह बेलगोरोड में गोलाबारी के दौरान, 16 वर्षीय लड़की की मौत हो गई। वहीं, उसके पिता घायल हो गए। वहीं, दूसरे हमले में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, 11 लोग घायल हो गए। इस बीच, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि रक्षा सचिव ग्रांट शॉप्स ने रूसी मिसाइलों के खतरों के कारण ओडेसा की यात्रा रद्द कर दी।

गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 31,553 हुई - मंत्रालय

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 31,553 हो गई है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को एक प्रेस बयान यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली सेना ने हमला कर 63 फिलिस्तीनियों को मार डाला। वहीं 112 अन्य हुए हैं। इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 31,553 हो गई और 73,546 लोग घायल हुए हैं।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिस्तीनी विदेश और प्रवासी मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बाध्यकारी प्रस्ताव के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मानवीय हस्तक्षेप का आग्रह किया है, ताकि गाजा पट्टी पर इजरायल को हमलों से रोका जा सके। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया, जो अभी भी जारी है। हमास के हमलों में 1,200 लोग मारे गए थे और 200 से ज्यादा को बंधक बना लिया गया था।

द.कोरिया पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री, उ.कोरिया ने मिसाइलें दागीं, आधे घंटे में तीन बैलिस्टिक मिसाइलें फायर की इनकी रेंज 350 किलोमीटर

प्योंगयांग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया ने सोमवार सुबह ईस्ट सी (सी ऑफ जापान) में तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साउथ कोरिया के डिफेंस मिनिस्ट्री ने इसकी जानकारी दी। डिफेंस मिनिस्ट्री ने एक बयान में कहा- नॉर्थ कोरिया ने सी ऑफ जापान की तरफ मिसाइल फायर की। जापान के कोस्ट गार्ड ने भी इसकी पुष्टि की है। वहीं, जापानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने बताया कि मिसाइल 50 किलोमीटर की ऊंचाई तक गई और इनकी रेंज 350 किलोमीटर थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की तरफ से यह मिसाइलें ऐसे समय दागी गई हैं जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन साउथ कोरिया के दौरे पर हैं। ब्लिंकन रविवार देर रात साउथ कोरिया की राजधानी सियोल पहुंचे। सोमवार सुबह 7.44 बजे से 8.22 बजे के बीच नॉर्थ कोरिया ने साउथ कोरिया की तरफ मिसाइलें दाग दीं।

जापान के प्रधानमंत्री बोले- ये भड़काऊ हरकत: जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने नॉर्थ कोरिया की तरफ से दागी गई मिसाइलों को भड़काऊ हरकत बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिका, साउथ कोरिया को खतरा मानता है नॉर्थ कोरिया 14 मार्च को नॉर्थ कोरिया के राष्ट्रपति और तानाशाह किम जोंग उन ने टैंक चलाया था। वो इन टैंक की मारक क्षमताओं से काफी प्रभावित नजर आए थे। इस टेस्टिंग से एक दिन पहले अमेरिका और साउथ कोरिया ने जॉइंट मिलिट्री ड्रिल की थी। नॉर्थ कोरिया अक्सर अमेरिका और साउथ कोरिया की मिलिट्री ड्रिल के जवाब में मिसाइल-टैंक या नए हथियारों की टेस्टिंग करता है। अगस्त 2023 में तानाशाह ने कहा था- अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास हमारे देश पर हमले करने की तैयारी में करते हैं। अमेरिका-साउथ कोरिया की नजदीकियां बढ़ रहीं नॉर्थ कोरिया के परमाणु देश बनने के बाद से उसके साथ जंग लड़ चुके साउथ कोरिया को अपनी सुरक्षा को लेकर खतरा है। इसे देखते हुए अमेरिका और साउथ कोरिया डिफेंस को-ऑपरेशन बढ़ा रहे हैं। इसके लिए मिलिट्री एक्सरसाइज की जा रही हैं। वहीं, साउथ कोरिया में 27 हजार अमेरिका सैनिक तैनात हैं। 2022 में राष्ट्रपति जो बाइडेन की पहल से अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच समिट फॉर डेमोक्रेसी शुरू हुई। यह बैठक हर साल होती है। इस बार साउथ कोरिया में हो रही है।

मालदीव संसदीय चुनाव के लिए भारत में भी डाले जाएंगे वोट, दो और देशों में भी मतदान

माले, एजेंसी। मालदीव के आगामी 21 अप्रैल को लोकसभा चुनाव होने हैं। मालदीव के चुनाव आयोग ने रविवार को जानकारी दी कि संसदीय चुनाव में मतपेटियों को भारत समेत तीन देशों में भेजा जाएगा, यानी मालदीव के बाहर भी वोटिंग होगी। दरअसल, मालदीव के 11 हजार लोगों ने अपने मतदान केंद्रों को स्थानांतरित करने के लिए पुनः पंजीकरण का अनुरोध किया है। स्थानीय मीडिया की खबरों में कहा गया है कि 21 अप्रैल के चुनावों के लिए लोगों को अपने मतदान केंद्रों को स्थानांतरित करने के संबंध में दी गई छह दिन की अवधि शनिवार को समाप्त हो गई। मालदीव के चुनाव आयोग ने कहा कि देश के चुनावों के लिए मतपेटियां केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम, श्रीलंका के कोलंबो और मलेशिया के कुआलालंपुर में भी रखी जाएंगी, क्योंकि तीनों देशों में से प्रत्येक में कम से कम 150 लोग मतदान करने के लिए पुनः पंजीकरण कराएंगे। भारत समेत तीन देशों में वोटिंग वेब पोर्टल 'अदाधू डॉट कॉम' के मुताबिक, निर्वाचन आयोग के महासचिव हसन जकारिया ने कहा, ''पहले की तरह, श्रीलंका और

मलेशिया में कई लोगों ने पंजीकरण कराया है। भारत के तिरुवनंतपुरम में 150 लोगों ने पंजीकरण कराया है, इसलिए हमने वहां एक मतपेटी रखने का फैसला किया है।' निर्वाचन आयोग को इस अवधि के दौरान विभिन्न मतदान केंद्रों पर पुनः पंजीकरण का अनुरोध करने वाले 11,169 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 'एडिशन डॉट एमवी' समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार, आयोग ने 1,141 फॉर्म खारिज कर दिए, जिसके बाद पंजीकरण के लिए कुल आवेदन 10,028 हैं। पिछले चुनावों की तुलना में इस साल पुनः पंजीकरण कराने वालों की संख्या कम होने का जिक्र करते हुए जकारिया ने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और थाईलैंड में मतदान नहीं होगा। मालदीव में संसदीय चुनाव रविवार को होने थे। हालांकि, रमजान के महीने के दौरान चुनाव की तारीख अभी टाल दी गई है। संसदीय चुनाव अब 21 अप्रैल को होने हैं। 'सनडॉटएमवी' समाचार पोर्टल के अनुसार, मालदीव की 93 संसदीय सीटों के लिए कुल 389 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

अपनी सेहत को लेकर खुद जानकारी देंगी ब्रिटिश राजघराने की बहू केट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश राजघराने की बहू और प्रिंसेस ऑफ वेल्स केट मिडलटन की सेहत को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। अब खबर आई है कि केट मिडलटन ने खुद सार्वजनिक तौर पर अपनी सेहत के बारे में जानकारी देने का फैसला किया है। ब्रिटिश मीडिया ने शाही घराने के सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। हालांकि केट कब अपनी सेहत के बारे में किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में जानकारी देंगी, इसका पता नहीं चला है, लेकिन बताया जा रहा है कि इस बारे में केट कोई जल्दबाजी करने के मूड में नहीं हैं।

केट की सेहत को लेकर अफवाहों का दौर : केट मिडलटन की इस साल जनवरी में पेट की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद केनसिंग्टन पैलेस ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी और बताया कि केट फिलहाल आराम कर रही हैं और वे 31 मार्च के बाद ही सार्वजनिक तौर पर दिख सकेंगी। हालांकि बीते दिनों मदर्स डे के मौके पर केनसिंग्टन पैलेस ने केट की जो तस्वीर जारी की, उसे लेकर विवाद हो गया और उनकी सेहत को लेकर अफवाहें उड़ने लगीं। दरअसल केट की उनके बच्चों के साथ जो तस्वीर जारी की गई थी, उसमें छेड़छाड़ की गई थी, जिसके बाद तस्वीर को सभी प्लेटफॉर्म से हटा लिया गया था। इसके बाद ही

केट की सेहत को लेकर चर्चा शुरू हो गई।

वहीं हाल ही में केनसिंग्टन पैलेस के कई स्टाफ ने दावा किया था कि उन्होंने कई दिनों से केट को नहीं देखा है। केट मिडलटन सार्वजनिक तौर पर भी लंबे समय से नहीं दिखाई दी हैं। यही वजह है कि केट मिडलटन की सेहत को लेकर तरह-तरह की अफवाहें शुरू हो गईं।

शख्स को थी माइग्रेन की शिकायत, दिमाग में निकला कृमि

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक शख्स को लगातार माइग्रेन की शिकायत की थी। इसके बाद जांच में पता चला कि उसके दिमाग में कृमि (टेपवर्म का लार्वा) है। जानकारी के मुताबिक, 52 वर्षीय शख्स बार-बार माइग्रेन की शिकायत कर रहा था। लेकिन कुछ दिनों में ही हालात बिगड़ने लगी और दवाईयों ने काम करना बंद कर दिया।

सीटी स्कैन में पता चला कि लगभग चार महीने से उसके दिमाग में जीवित था और अंडे दे रहा था। यह ऐसा परजीवी कीड़ा है, जो इंसानों और जानवरों को संक्रमित करता है। आमतौर पर यह आंतों में पाया जाता है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में इसके लिए दिमाग तक पहुंचना भी कोई मुश्किल काम नहीं है।

जानलेवा साबित हो सकता है संक्रमण : अमेरिकन जर्नल ऑफ केस रिपोर्ट में प्रकाशित इस घटना में शोधकर्ताओं ने बताया कि अमेरिका में इससे पहले भी संक्रमित पोर्क (सुअर) के इन्फेक्शन से जुड़े मामले सामने आ चुके हैं, ऐसे में यह एक सामान्य केस है। अब मरीज के दिमाग में जमा गांठ को डॉक्टरों ने खत्म कर दिया है। हालांकि, यह एक ऐसा संक्रमण है, जो किसी की जान भी ले सकता है।

पत्ता गोभी में पाया जाता है यह कीड़ा : सब्जियों में यह कीड़ा पत्ता गोभी में भी पाया जाता है। वहीं, मांसाहारी भोजन में यह कच्चा मांस खाने से दिमाग तक पहुंचता है। डॉक्टरों के मुताबिक, शख्स बचपन से अधपका

या कच्चा मांस खाता रहा होगा। अधपके बेकन में कई बैक्टीरिया होते हैं, जो आंत में प्रवेश करके दिमाग तक चले जाते हैं।

क्या है सिस्टिसिरोसिस : सिस्टिसिरोसिस एक तरह का संक्रमण है जो पैरासाइट टेनिया सोलियम के लार्वा के कारण होता है, जिसे पोर्क टैपवार्म भी कहा जाता है, इससे दिमाग में गांठ बनने लगती है। यह शरीर से अपशिष्ट के रूप में बाहर निकल सकता है और संक्रमण फैलाता है।

वॉशिंगटन डीसी में फायरिंग में 2 लोगों की मौत, 5 घायल : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में रविवार को फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट में मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट के हवाले से बताया गया कि रविवार को फायरिंग की सूचना कैनेडी रिक्रिएशन सेंटर के पास मिली।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कार्यकारी सहायक प्रमुख जेफरी कैरोल ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हालांकि, उनकी हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि फायरिंग किसने की और क्यों की। फायरिंग व्हाइट हाउस के उत्तर-पूर्व में लगभग एक दर्जन ब्लॉकों में हुई। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने मामले में अभी कोई गिरफ्तारी नहीं की है।

उन्होंने आगे कहा कि हम घटना से संबंधित जानकारी हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस किसी ऐसे व्यक्ति से संपर्क करने का प्रयास कर रही है, जिसने घटना को देखा हो या उसके पास घटना से संबंधित कोई जानकारी हो। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी है।